

श्रीमद्

शीर्षा जी-छरी,
विशेष भविष्य,
उत्तर प्रदेश भारत ।

तैयारी

महानिवेदन,
विभिन्न सर्व स्थान्य सेवाये,
उत्तर प्रदेश लानऊ ।

विभिन्न गुम्बाम-॥

तारीख : दिनांक 3 जून, 2005।

धिक्षिण:- श्री रामगुरुसि रामारक द्वास्त बरेली को जी०सन०सग० प्राप्तिपूर्ण प्राप्ति करने
द्वारा उनियार्पिता प्रभाण-प्रभ भारी बरने के सम्बन्ध में ।

गठोदय,

उपर्युक्त विषय पर मुझे यह कहने का निर्देश हुआ है कि राधिष, स्टेट ऐडिक्शन
फैलटी, उत्तर प्रदेश की ग्राम्या/संस्कृति के ग्राम्य पर समझ विचारोदाना।
श्री राम गुरुसि रामारक द्वास्त बरेली प्रो नी०सन०सग० प्राप्तिपूर्ण प्राप्ति करने हेतु
५० प्राप्तिवाची प्राप्तिवी प्राप्तिश एवं अनुगति इस इति के साथ प्रदान की जाती है। इस
उच्चा शंखा भारतीय उपचर्या प्रसिद्ध नई दिल्ली से श्री०सन०सग० प्राप्ति द्वारा ग्राम्या
एवं घर्ष के भीतर प्राप्ति कर दिए अन्यथा भरकार द्वारा दी गयी यह भावना
एवं घर्ष के उपरान्त खलः शमाप्त भावी जाएगी।

मध्याम,

शीर्षा जी-छरी
विशेष भविष्य ।

संख्या - 2434/5-11-2005, दिनांक:

- १- श्रीरामिपि विभिन्नविभित को शूलार्थ सर्व आदायक कार्यवाही हेतु प्राप्तिपूर्ण-
राधिष, भारतीय उपचर्या प्रसिद्ध देमाल लेन कोदला रोड, नई दिल्ली।
- २- राधिष, उत्तर प्रदेश स्टेट ऐडिक्शन फैलटी, ५-सर्व पल्ली, मारासेन्स, बरकरार।
- ३- निर्देशक प्राप्तिपूर्णउपचारा, विभिन्न सर्व स्थान्य, उत्तर प्रदेश जज्जल।
- ४- देव मूर्ति, प्रधनन्धक, श्री-रामगुरुसि रामारक द्वास्त, ल-३, रामगुरु भावन, बरेली।
- ५- मार्ड फाईल।

अधिकारी

Bh.
१. वाम्बाराम
२. राधिष